पर बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाले कुलदीप नैय्यर, जस्टिस राजेन्द्र सच्चर जैसे लोग इसमें फंसते नजर आए। इसके बाद तो इस खेल में फंसने वाले अन्य के नाम भी खुलते गए। हालांकि अधिकांश लोगों का यही कहना है कि वह आईएसआई के इशारे पर कश्मीर पर दुनिया का नजरिया बदलने निकलने सैय्यद गुलाम नबी फई उर्फ 'डाक्टर साहब' की असलिअत नहीं जानते थे। उन्हें नहीं पता था कि डाक्टर साहब आईएसआई के सहयोग से अमेरिका में कश्मीर केन्द्र(कश्मीर अमेरिकी परिषद, केएसी)चलाते हैं अथवा उनकी आईएसआई से शाठ-गांठ है। लेकिन इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि देश की खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े शीर्षस्थ अधिकारी इन हस्तियों की दलील मानने के लिए तैयार नहीं हैं।

खुफिया सूचनाओं के मामले में गहरी पकड़ रखने वाले इंटेलीजेंस ब्यूरो (आईबी) के नामचीन पूर्व संयुक्त निदेशक मलय कृष्णधर का साफ कहना है कि बार-बार फई के सेमिनार उसके द्वारा चलाए जा रहे संगठन के बारे में लोगों को जानकारी दी जाती थी। भारत सरकार को सूचित किया जाता था और कश्मीर से लेकर नई दिल्ली तक के सुरक्षा अधिकारी लोगों को मौखिक रूप से आगाह करते थे। लेकिन देश के पत्रकारों, समाज सुधारकों और अगुआ बौद्धिक लोगों की जमात कश्मीर में शांति का हवाला देकर केएसी का निमंत्रण मिलते ही सेमिनार में हिस्सा लेने के लिए रवाना हो जाती थी। एफबीआई ने आरोप पत्र में जानकारी देते हुए बताया है कि जानकारी देते हुए बताया है कि अहमद खान के माध्यम से 2003 में 3.14 लाख, 2004 में 5.05 लाख, 2005 में 5.25 लाख और 2006 में 4.47 लाख डॉलर दिए। फई के सन 2000 के बजट के बारे में एफबीआई को मिली जानकारी के मुताबिक यह तकरीबन 4.90 लाख डॉलर का था। इसमें 80 हजार डॉलर कांग्रेस सदस्यों के माध्यम से जुटाने, एक लाख कांफ्रेस पर, 60 हजार डॉलर सेमिनार पर 50 हजार समाचार पत्रों में 'ओपिनियन पीस' तथा 30 हजार कांग्रेस सदस्यों के कश्मीर दौरे पर खर्च करने का जिक्र है। फई हर साल चार से सात लाख डालर की सहायता लेता था और बौद्धिक षडयंत्र को अंजाम देकर कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान को मजबूत करता था। उसके इस अभियान का भारतीय हस्तिया भी शिकार हुई हैं।

मगर कश्मीर के मुद्दे पर अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर हल्ला मचाने का ठेका लेने वाला फई इकलौता किरदार नहीं है। कई ऐसे संगठन और बुद्विजीवी सक्रिय हैं जो कश्मीर के मुद्दे पर भारत की नीति के बजाए पाकिस्तान का राग अलापने में ही फायदा देखते हैं। लिहाजा कश्मीरी अमेरिकन काउंसिल हो या यासिन मलिक या फिर अरुंधती राय जैसे लेखक कश्मीर पर उनके विचारों को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। भारत के बड़े मीडिया समूह ने कुछ साल पहले लंदन में कश्मीर के मुद्दे पर गोष्ठी का आयोजन किया था तो उस गोष्ठी में प्रगतिशील और सेक्यूलर लेखकों और नेताओं के साथ-साथ कश्मीर पर राष्ट्रवादी रुख अपनाने वाले नेताओं और पत्रकारों को भी बुलाया।

कार्यक्रम में भारत के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई तो लंदन में 'तहलका' मच गया। सवाल उठ खड़ा हुआ कि मीडिया घराने को लंदन में कश्मीर पर गोष्ठी करने की क्यों सूझी और इसमें भाग लेने के लिए जिन अतिथियों को बुलाया गया उनका खर्चा किसने उठाया? राज्यसभा में विपक्ष के नेता अरुण जेटली कहते हैं कि किसी भी नागरिक को प्राप्त अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार में संवैधानिक पाबंदियां भी होती हैं। इस अधिकार का इस्तेमाल अलगाववादी ताकतों और समाज के अवांछित लोगों द्वारा देश के खिलाफ नहीं किया जा सकता है।'तो क्या अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब भारत विरोध है?

HINDU VEDIC ASTROLOGER & ASTRO PALMIST

● Vedic Palmistry ● Nadi Astrology ● Vastu shashtra ● Yantra ● Yearly Predictions

Prabhat khare is characterized by his profound and inttutive knowledge of palmistry, astrology, vastu and Indian/Tibetan philosophy. Inlast 15 years, by the blessing of goddess saraswati,he has been able to invent a method of prediction, which provides full life details year wise only by the date of birth and palm print of both hands. Even if someone does not have date of birth, full life details can be given by by his palm prints and his eldest child's birth details. The process of prediction takes roughly 15 to 20 minutes only .He has been using this method for last 10 years and it has crowned him with grand success. Further he has found out a very convincing relation between planets' movements and surrounding space of a person. He says certain vastu principles are strange and can be used for future prediction of the person who owns a particular land or building.

He says "the moment you are born, your future life's video cassette is prepared. There are chosen few who can see this cassette just like a TV serials show. For example, Jean Dixon, Peter Harkaus etc. Otherwise, astrological calculations can also give you glimpse of future."

Dr. PRABHAT KHARE
Astropalmistry Research Centre
Goverdhan Complex, Tilak Nagar,
Bilaspur (Chattisgarh)
pin code no. 495001
E Mail id : khare_astrologer@yahoo.com

[PHONE NUMBER] +91 07752503187
[MOBILE NUMBER] +91 9826194041

For more detail log on to www.astrokhare.com